



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 30 दिसंबर, 2025

जारी करने का समय: 1400 घंटे

विषय: (i) पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 30 दिसंबर से 1 जनवरी के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद में भारी वर्षा/बर्फबारी की प्रबल संभावना है।

(ii) पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 31 दिसंबर तक और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 1 जनवरी 2026 तक रात्रि/सुबह के समय घना से अत्यंत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है, जिसके बाद कोहरा कम हो जाएगा।

(iii) पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में 30 दिसंबर तक और बिहार में 30 और 31 दिसंबर को कड़ाके की ठंड पड़ने की प्रबल संभावना है।

पिछले 24 घंटों में हुई मौसम गतिविधि (आज 30 दिसंबर 2025 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ ओडिशा, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में घना से बहुत घना कोहरा (दृश्यता <50 मीटर) छाया रहा। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ अलग-थलग इलाकों में घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर) छाया रहा।
- ❖ मीटर में दर्ज दृश्यता (≤ 200 मीटर): हिमाचल प्रदेश: बिलासपुर (50 मीटर), मंडी (70 मीटर); उत्तराखंड: लखसर (30 मीटर), खटीमा (75 मीटर), जॉलीग्रांट (200 मीटर), पंतनगर (200 मीटर); पंजाब: अमृतसर (0 मीटर), आदमपुर (0 मीटर), हलवारा (0 मीटर), गुरदासपुर (10 मीटर), लुधियाना (10 मीटर), पठानकोट (0 मीटर), पटियाला (20 मीटर), बठिंडा (40 मीटर), बल्लोवाल सौकरी (20-30 मीटर); हरियाणा और चंडीगढ़: चंडीगढ़ (40 मीटर), हिसार (10 मीटर), अंबाला (05 मीटर), रोहतक, भिवानी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश: हिंडन (आईएफ), सहारनपुर आईएफ और आगरा आईएफ-(0एम), हमीरपुर-(20एम), एएमएस अलीगढ़, झांसी और उरई-(50एम) प्रत्येक, आगरा ताज-(60एम), एम्स मोरादाबाद, नजीबाबाद और मेरठ-(100एम) प्रत्येक; पूर्वी उत्तर प्रदेश: प्रयागराज (आईएफ) - (0M), प्रयागराज - (10M), वाराणसी (AP), फतेहपुर, फुरसतगंज और बांदा - (50M) प्रत्येक, हरदोई - (60M), चुरक - (100M); पश्चिम मध्य प्रदेश: ग्वालियर-(0M) -- दतिया - (50M); पूर्वी मध्य प्रदेश: खजुराहो और रीवा- (50 मीटर) घना कोहरा; ओडिशा: नयागढ़ (40 मीटर), राउरकेला (50 मीटर)
- ❖ बिहार, पश्चिमी मध्य प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में दिन में अत्यधिक ठंड से लेकर भीषण ठंड की स्थिति बनी रही। बिहार के कई स्थानों और पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर दिन का तापमान सामान्य से काफी नीचे रहा, जबकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ छिटपुट इलाकों में ठंड की स्थिति बनी रही।
- ❖ उत्तराखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ के कुछ स्थानों पर शीत लहर देखी गई।
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हुई।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनी (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- ❖ मध्य क्षोभमंडलीय पछुआ हवाओं में एक गर्त के रूप में पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है, जिसका अक्ष मध्य क्षोभमंडलीय स्तर पर लगभग 54° पूर्व देशांतर के अनुदिश और अक्षांश 30° उत्तर के उत्तर में स्थित है।
- ❖ दिल्ली के ऊपर लगभग 140 समुद्री मील की रफ्तार वाली उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर बनी हुई है।

- ❖ अब पूर्वी हवाओं में एक गर्त अक्षांश 10° उत्तर के दक्षिण में, 85° पूर्व देशांतर के अनुदिश, दक्षिणपूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर स्थित है।
- ❖ उत्तरी केरल और आसपास के क्षेत्र में निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों के बीच एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ उत्तरपूर्वी असम के ऊपर मध्य क्षोभमंडलीय स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

- ❖ 30 दिसंबर से 1 जनवरी के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद में छिटपुट से लेकर व्यापक भारी वर्षा/बर्फबारी की प्रबल संभावना है। 30 दिसंबर से 2 जनवरी के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में छिटपुट से लेकर मध्यम हल्की वर्षा/बर्फबारी की संभावना है।
- ❖ 31 और 1 जनवरी को पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़ में छिटपुट हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है; 31 जनवरी को पश्चिमी राजस्थान में भी यही संभावना है।
- ❖ 30 दिसंबर से 1 जनवरी 2026 के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में छिटपुट गरज और बिजली के साथ तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा) चलने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (आज सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5°C से नीचे रहा; हिमाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर; उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, उत्तरी राजस्थान में कई स्थानों पर, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, मराठवाड़ा, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों पर; मेघालय, विदर्भ, मराठवाड़ा, केरल और माहे, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5°C से नीचे रहा।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश के मध्य भागों में छिटपुट स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे (-5.0°C से -3.1°C) रहा; उत्तरी आंतरिक ओडिशा, छत्तीसगढ़, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, झारखंड, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में भी छिटपुट स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे रहा। (परिशिष्ट IV देखें)
- ❖ भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 3.0 डिग्री सेल्सियस नौगोंग (पूर्वी मध्य प्रदेश) में दर्ज किया गया।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ अगले दो दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होगी और उसके बाद अगले तीन दिनों तक 3-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी और उसके बाद कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ अगले तीन दिनों के दौरान मध्य भारत में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होने की प्रबल संभावना है और उसके बाद कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ अगले 24 घंटों तक पूर्वी भारत में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन होने की संभावना नहीं है, उसके बाद अगले तीन दिनों तक 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होगी और उसके बाद कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ अगले 24 घंटों तक गुजरात राज्य में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन होने की संभावना नहीं है और उसके बाद अगले दो दिनों तक 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी और उसके बाद अगले पांच दिनों तक 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी।
- ❖ महाराष्ट्र में अगले 48 घंटों में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है। इसके बाद अगले दो दिनों तक तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी और फिर अगले पांच दिनों तक इसमें 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी।
- ❖ देश के शेष हिस्सों में अगले 7 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

घने कोहरे, शीतलहर और शीत दिवस की चेतावनी:

- ❖ पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 1 जनवरी तक और पूर्वी उत्तर प्रदेश और ओडिशा में 2 जनवरी 2026 तक रात/सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में 31 दिसंबर तक, उत्तराखंड में 4 जनवरी तक, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 1 से 6 जनवरी तक, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 2 से 6 जनवरी तक, राजस्थान में 1 से 4 जनवरी तक, मध्य प्रदेश में 31 दिसंबर तक,

उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 3 जनवरी तक, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 31 दिसंबर से 3 जनवरी तक, बिहार में 5 जनवरी तक, झारखंड में 31 दिसंबर तक और ओडिशा में 2 से 4 जनवरी तक कुछ इलाकों में रात/सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 4 जनवरी 2026 तक ठंड पड़ने की संभावना है।

- ❖ 30 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में और 30 और 31 दिसंबर को बिहार में शीत दिवस पड़ने की संभावना है। वहीं, 31 दिसंबर और 1 जनवरी को हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में, 30 दिसंबर को उत्तराखंड में, 1 से 4 जनवरी के दौरान बिहार में, 30 दिसंबर को झारखंड में, 30 दिसंबर को मध्य प्रदेश में, 30 दिसंबर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में और 30 से 31 दिसंबर 2025 के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी शीत दिवस पड़ने की संभावना है।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ के कुछ अलग-अलग इलाकों में 31 तारीख तक शीत लहर की स्थिति रहने की बहुत संभावना है; पश्चिमी राजस्थान में 2 और 3 तारीख को तथा हिमाचल प्रदेश में 31 दिसंबर से 3 दिसंबर के दौरान तथा तेलंगाना और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 1 जनवरी 2026 तक शीत लहर की स्थिति रहने की संभावना है।

मछुआरों की चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 30 दिसंबर से 4 जनवरी 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

- ❖ बंगाल की खाड़ी: मन्नार की खाड़ी और उसके आसपास के क्षेत्र, कोमोरिन क्षेत्र के कुछ भाग और दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भाग में 2 और 3 जनवरी 2026 को; सोमालिया तट के साथ-साथ 1 से 3 जनवरी 2026 के दौरान; उत्तरी ओमान तट के साथ-साथ और उससे दूर 31 दिसंबर 2025 को।

दिल्ली/एनसीआर में 30 दिसंबर-02 जनवरी 2025 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

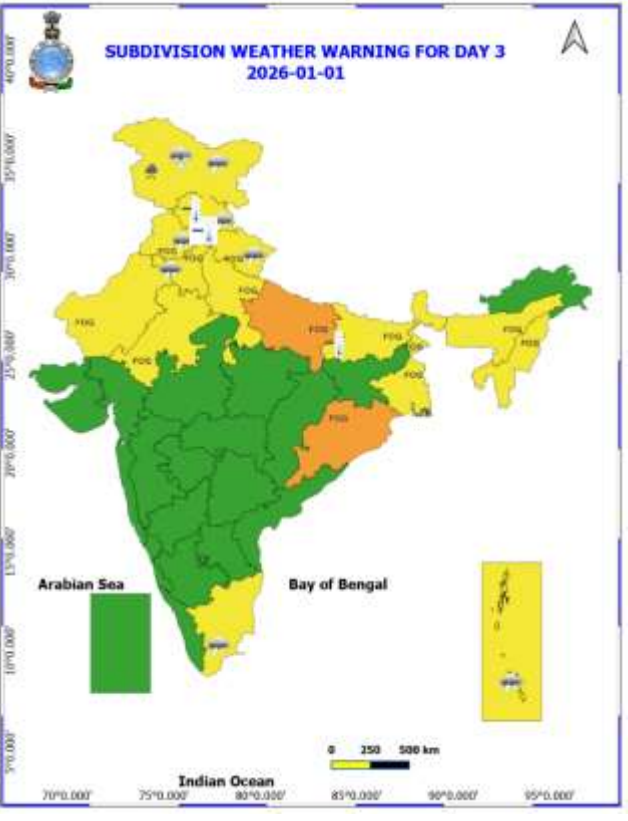
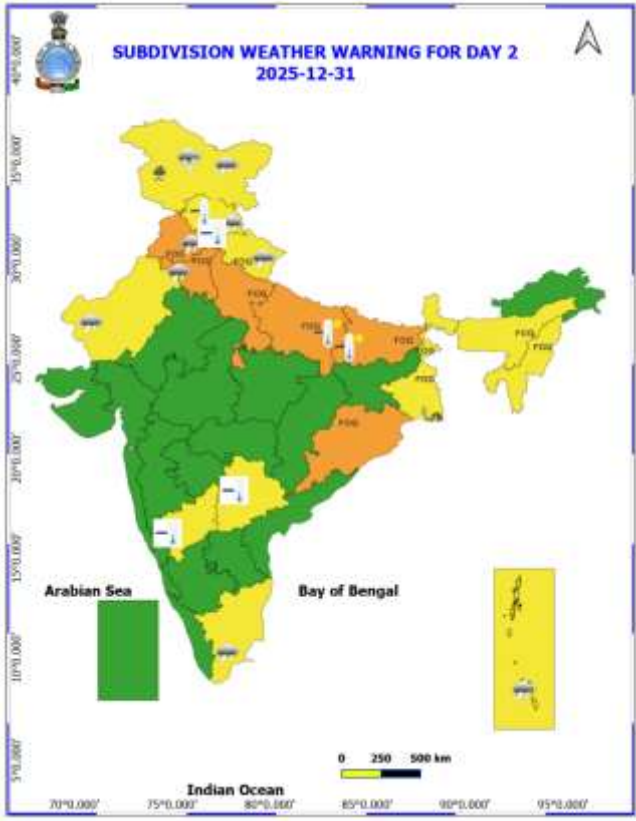
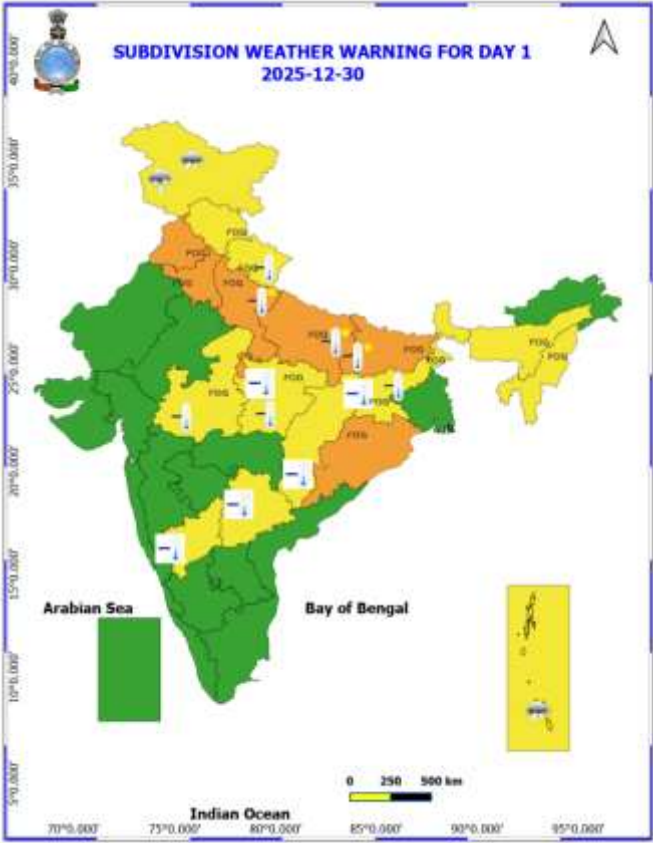
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

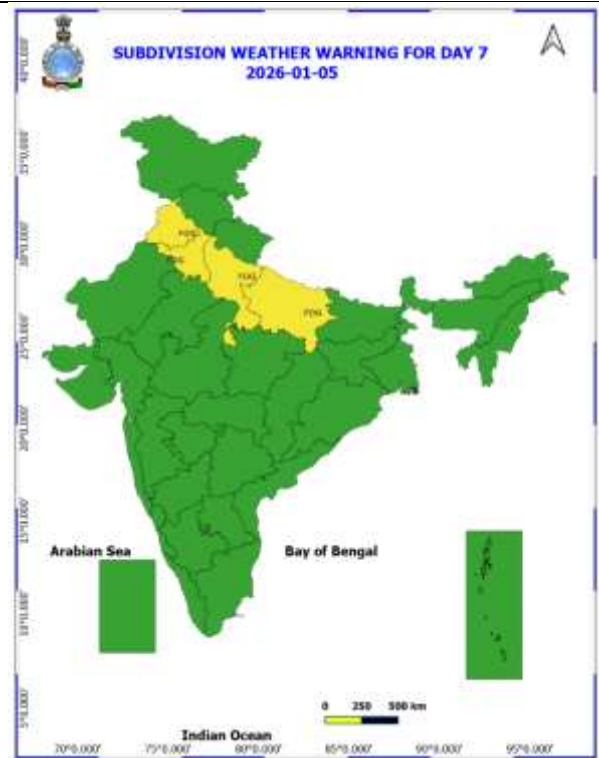
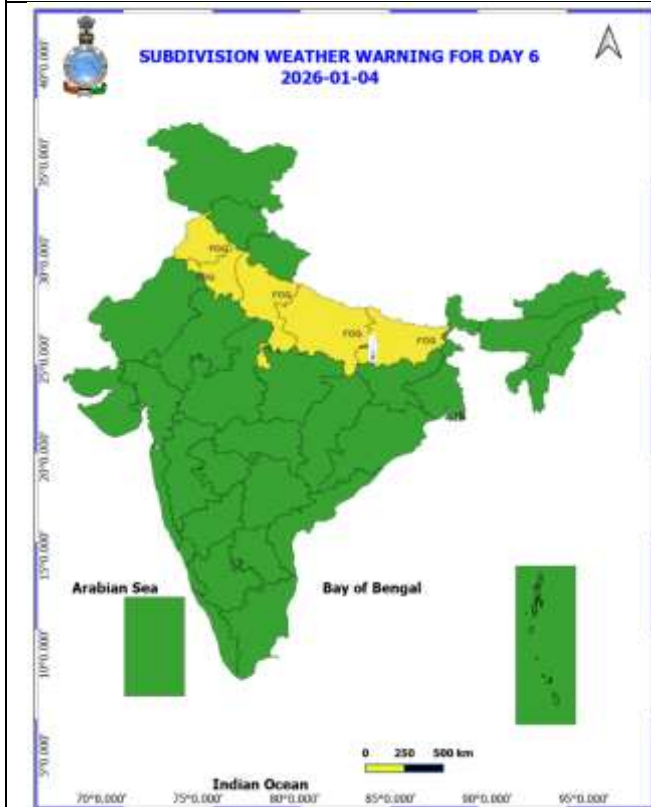
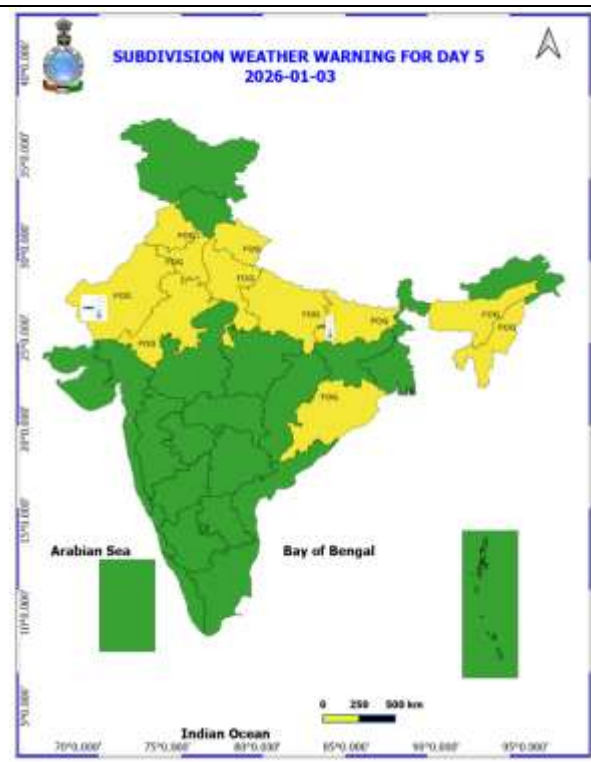
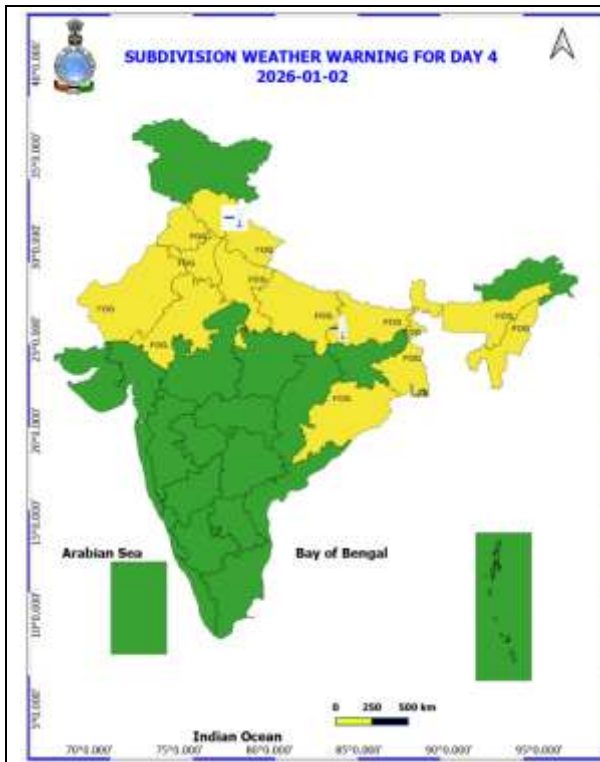
जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	30- Dec	31- Dec	1- Jan	2- Jan	3- Jan	4- Jan	5- Jan
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	FWS	FWS	ISOL	DRY	DRY	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
17	WEST RAJASTHAN	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
36	LAKSHADWEEP	DRY	SCT	SCT	SCT	SCT	DRY	DRY

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

30 दिसंबर-02 जनवरी 2025 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है और अधिकतम तापमान में लगभग 1-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 18 से 20 डिग्री सेल्सियस और 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1 से 5.0 डिग्री सेल्सियस) है, जबकि कुछ स्थानों पर यह सामान्य से अधिक (1.6 से 3.0 डिग्री सेल्सियस) और शेष स्थानों पर सामान्य (-1.5 से 1.5 डिग्री सेल्सियस) है। अधिकतम तापमान कुछ स्थानों पर सामान्य से कम (-1.6 से -3.0 डिग्री सेल्सियस) और शेष स्थानों पर सामान्य (-1.5 से 1.5 डिग्री सेल्सियस) रहा। सफदरजंग में आज, 30.12.2025 को दोपहर 12:30 से 2:30 बजे तक न्यूनतम दृश्यता 50 मीटर दर्ज की गई, जो बाद में 3:10 बजे तक बढ़कर 150 मीटर हो गई। पालम में दोपहर 12:00 से 2:00 बजे तक न्यूनतम दृश्यता 50 मीटर दर्ज की गई, जो बाद में 2:30 बजे तक बढ़कर 100 मीटर हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान मुख्य रूप से साफ रहा, लेकिन मध्यम से घना कोहरा छाया रहा। पश्चिमी दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही थी। आसमान आंशिक रूप से बादल छाए हुए है। आज दोपहर तक हल्का से मध्यम कोहरा छाया रहा और पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से 5 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चली।

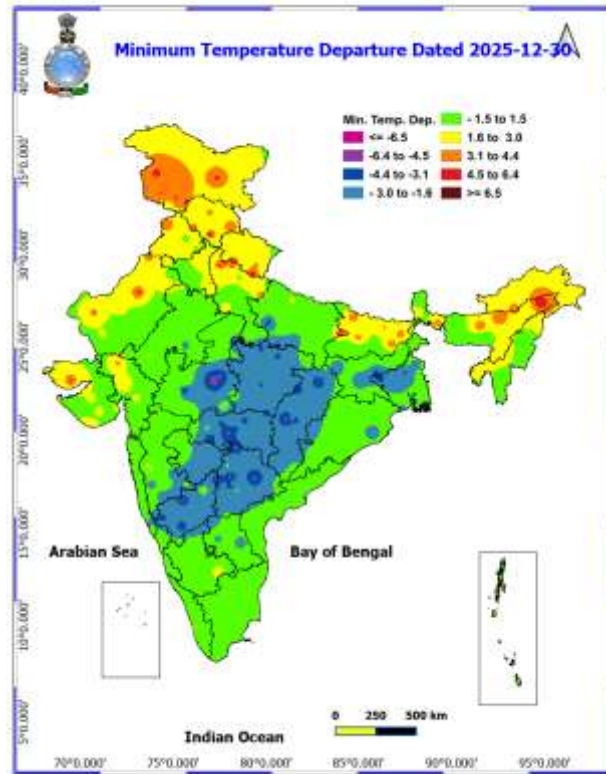
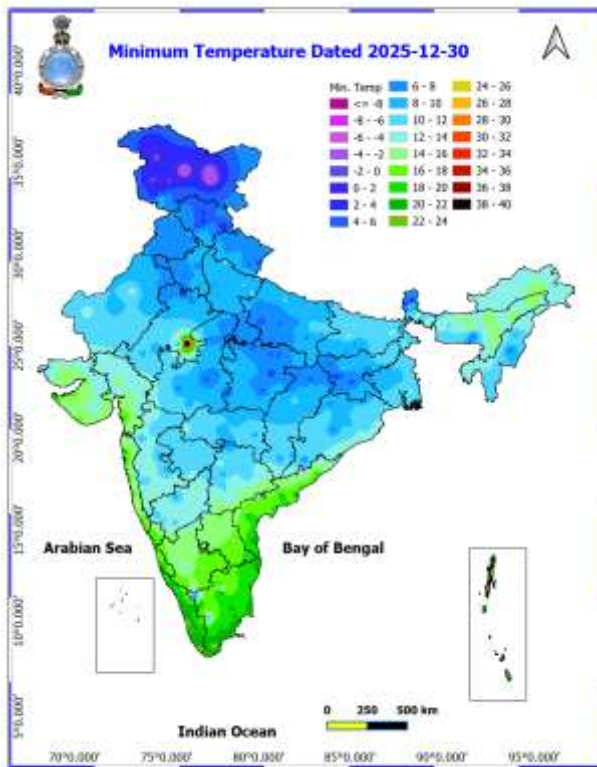
मौसम पूर्वानुमान:

30.12.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर तक हल्की से मध्यम धुंध रहेगी। शाम/रात में हल्की धुंध छाई रहेगी। अधिकतम तापमान 20°C से 22°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। दोपहर के समय पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी प्रति घंटा से कम रहेगी। शाम और रात के दौरान पश्चिम दिशा से हवा की गति घटकर 5 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

31.12.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कई स्थानों पर मध्यम धुंध और कुछ स्थानों पर घनी धुंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 21°C से 23°C और 7°C से 9°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (0.2°C से 2.2°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (0.6°C से 2.6°C) रहेगा। सुबह के समय सतही हवा मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से चलेगी और इसकी गति 5 किमी प्रति घंटा से कम रहने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर उत्तर-पूर्व दिशा से 5 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

01.01.2025: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा छा सकता है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 18°C से 20°C और 10°C से 12°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (3.1°C से 5.1°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय सतही हवा मुख्य रूप से उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी, जिसकी गति 5 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे हो जाएगी। शाम/रात के दौरान हवा की गति उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा में ही रहेगी।

02.01.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय मध्यम कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 18°C से 20°C और 10°C से 12°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (3.1°C से 5.1°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति धीरे-धीरे बढ़कर 10 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। दोपहर में भी हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से ही रहेगी और शाम/रात के समय भी यही गति बनी रहेगी।



रात/सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:

- ❖ पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 1 जनवरी तक और पूर्वी उत्तर प्रदेश और ओडिशा में 2 जनवरी 2026 तक रात/सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में 31 दिसंबर तक, उत्तराखंड में 4 जनवरी तक, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 1 से 6 जनवरी तक, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 2 से 6 जनवरी तक, राजस्थान में 1 से 4 जनवरी तक, मध्य प्रदेश में 31 दिसंबर तक, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 3 जनवरी तक, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 31 दिसंबर से 3 जनवरी तक, बिहार में 5 जनवरी तक, झारखंड में 31 दिसंबर तक, ओडिशा में 2 से 4 जनवरी तक, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 4 जनवरी 2026 तक कुछ इलाकों में रात/सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

❖ परिवहन और विमानन:

- मौसम उप-विभाग के अंतर्गत आने वाले कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
- यातायात कठिन हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- एहतियाती उपाय न अपनाने पर सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

- फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।
- अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।
- आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्यवाही:

❖ परिवहन और विमानन:

- वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
- वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
- अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
- मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

शीत लहर की परिस्थितियों के कारण संभावित प्रभाव: पूर्वी मध्य प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ के कुछ अलग-थलग इलाकों में 31 तारीख तक, पश्चिमी राजस्थान में 2 और 3 तारीख को, हिमाचल प्रदेश में 31 दिसंबर से 3 दिसंबर के दौरान, और तेलंगाना और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 1 जनवरी 2026 तक बारिश होने की बहुत संभावना है।

- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।
- कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- ❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- ❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

शीत दिवस की परिस्थितियों के कारण संभावित प्रभाव: 30 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में और 30 और 31 दिसंबर को बिहार में शीत दिवस पड़ने की संभावना है। वहीं, 31 दिसंबर और 1 जनवरी को हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में, 30 दिसंबर को

उत्तराखंड में, 1 से 4 जनवरी के दौरान बिहार में, 30 दिसंबर को झारखंड में, 30 दिसंबर को मध्य प्रदेश में, 30 दिसंबर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में और 30 से 31 दिसंबर 2025 के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना है। लंबे समय तक शीत दिवस के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।

- ❖ कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- ❖ लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- ❖ कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- ❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- ❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

ठंडी हवाओं / कम तापमान के संभावित असर के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- पंजाब, हरियाणा, पश्चिम मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड में, फसलों को कम तापमान के तनाव से बचाने के लिए शाम को खड़ी फसलों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी का सही तापमान बनाए रखने के लिए मल्टिचिंग का इस्तेमाल करें और सब्जियों की नर्सरी और छोटे फलों के पौधों को पुआल/पॉलिथीन शीट से ढक दें।
- पशुधन / मुर्गी पालन
- मवेशियों को रात में शेड के अंदर रखें और उन्हें ठंड से बचाने के लिए सूखा बिस्तर दें।
- पोल्ट्री शेड में आर्टिफिशियल लाइट लगाकर चूजों को गर्म रखें।

आंधी/तेज हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- तेज हवाओं से गिरने से बचाने के लिए बागवानी फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्जियों और छोटे फलों के पौधों/फल देने वाले पौधों को सहारा दें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

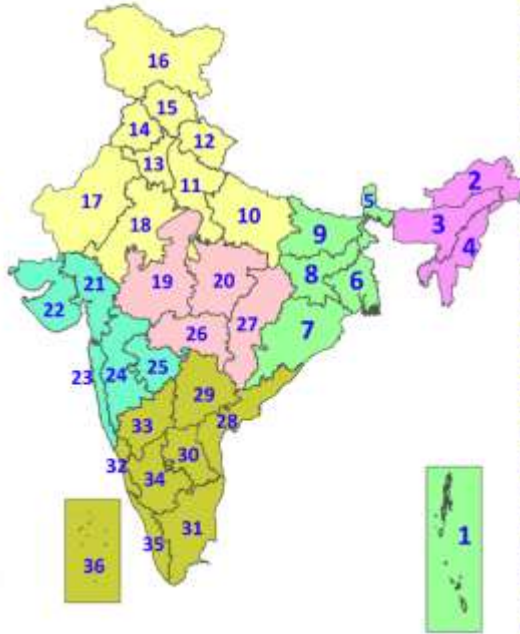
➤ भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)